>

Title: Need to formulate a comprehensive plan to provide better rail, road and air connectivity to Buddhist tourist places in Uttar Pradesh and Bihar.

श्री हर्ष वर्धन (महाराजगंज, उ.प्र.): विश्व के बौद्ध धर्मावलम्बियों की आस्था के केन्द्र भारत में है। महात्मा बुद्ध का जन्म स्थान कपिल वस्तु, निर्माण स्थल कुशीनगर, ज्ञान प्राप्ति स्थल गया, प्रथम दीक्षा का उद्बोधन स्थल सारनाथ तथा वर्षों तक वर्षा ऋतु में रहने का स्थल सहेत-महेत सहित यह सभी स्थल बौद्ध धर्मावलम्बियों की आस्था एवं आकर्षण के केन्द्र है। यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि आजादी के 6 दशक बाद भी बौद्ध पर्यटन से संबंधित यह स्थल राजमार्ग, रेल मार्ग एवं संसाधनों के अभाव में आज भी उपेक्षित पड़े हुए हैं।

समुचित सुविधाओं के अभाव में विश्वभर में फैले बौद्ध धर्मावलम्बी अपने तीर्थ स्थलों तक आने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। बौद्धों के इन तीर्थ स्थलों को विकसित करने और तदनुसार पर्यटन को बढ़ावा देने की योजनाबद्ध परियोजना से विश्व एवं विशेषकर दक्षिण पूर्व एशिया के बौद्ध धर्मावलम्बियों की भारत आने में रूचि बढ़ेगी जो भारत में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के साथ ही देश की राष्ट्रीय आय को बढ़ाएगा तथा बौद्ध तीर्थ स्थलों से संबंधित देश के अति पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं बिहार के संबंधित क्षेत्र में विकास के मार्ग को भी प्रशस्त करेगा। बौद्ध परिपथ का विकास भारत के प्रति बौद्ध धर्मावलम्बियों को मानसिक स्तर से भी जोड़ने में सहायक होगा। भारत सरकार की पहल पर इस परिपथ के विकास के लिए बौद्ध धर्मावलम्बी देश ही संसाधन मुहैया कराने में सहायक हो सकते हैं।

अतः मेरी मांग है कि बौद्ध पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु पर्यटन, भूतल परिवहन एवं रेल विभाग द्वारा एक समेकित योजना तत्काल बना कर उसे अमलीजामा पहनाया जाए।